

# RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

## SYLLABUS FOR EXAMINATION FOR THE POST OF SR.TEACHER (GRADE-II), SECONDARY EDUCATION DEPARTMENT

### PAPER - II

### -: HINDI :-

#### Part - (i)

अंक – 180

#### (माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर)

- (अ) वर्ण विचार – स्वर व व्यंजनों के प्रकार – प्रयत्न और स्थान की दृष्टि से ।  
शब्द विचार – तत्सम, तद्भव, देशज व विदेशी शब्द ।  
विकारी शब्द – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाओं के भेद एवम् उदाहरण ।  
अविकारी शब्द – अव्यय के भेद व उदाहरण ।  
वाक्य रचना – वाक्य में शब्दों के क्रम, वाक्य भेद, आश्रित उपवाक्य के भेद व उदाहरण ।  
शब्द रचना – समास, संधि, उपसर्ग व प्रत्यय के भेद ।  
शब्द ज्ञान – पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थ शब्द, समानोच्चारित शब्द (युग्म – शब्द), वाक्यांश के लिए एक शब्द ।  
शुद्ध लेखन – वर्तनी की शुद्धता और वाक्यगत अशुद्धियों का सुधार ।  
भाषा ज्ञान – मुहावरे व कहावतें, अपठित गद्यांश/पद्यांश आधारित प्रश्न ।  
राष्ट्रभाषा, राजभाषा, खड़ी बोली/देवनागरी लिपि के सुधार का इतिहास ।

#### (आ) गद्य भाग –

प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय, यशपाल, मन्नु भंडारी, महादेवी वर्मा, धर्मवीर भारती, फणीश्वरनाथ रेणु, कृष्णा सोबती, रामवृक्ष बेनीपुरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, कमलेश्वर, शिवपूजन सहाय, राहुल सांकृत्यायन, हरिशंकर परसाई, जगदीश चन्द्र माथुर ।

#### पद्य भाग –

कबीर, तुलसी, सूर, मीरा, देव, रसखान, जयशंकर प्रसाद, माखनलाल चतुर्वेदी, निराला, पंत, हरिवंशराय बच्चन, कुंवर नारायण, रघुवीर सहाय, रामनरेश त्रिपाठी, त्रिलोचन, नागार्जुन, गिरिजा कुमार माथुर, सर्वेश्वर दयाल, केदारनाथ अग्रवाल ।

उपर्युक्त समस्त रचनाकारों की कक्षा नवम् से बारहवीं तक की रचनाओं का समावेश पाठ्यक्रम में किया जायेगा ।

#### Part - (ii)

अंक – 80

#### स्नातक स्तरीय हिन्दी भाषा का ज्ञान –

- (अ) – शब्द शक्तियों के भेद व उदाहरण ।  
– काव्य की रीतियाँ, काव्य गुण, काव्यदोष (श्रुतिकटुत्व, ग्राम्यत्व, अप्रतीत्व, क्लिष्टत्व, अकर्मत्व तथा दुष्कर्मत्व)
- अलंकार – श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, असंगति, संदेह, भ्रांतिमान, विरोधाभास व मानवीकरण ।  
छंद – द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा व चौपाई ।  
रस – रस का स्वरूप तथा रसावयव ।
- (आ) – हिन्दी साहित्य के इतिहास का नामकरण, कालविभाजन, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचना व रचनाकार ।  
– हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिन्दी एवं उसकी बोलियों का सामान्य परिचय ।  
– कबीर ग्रन्थावली – साखी – प्रथम 5 अंग एवं 10 पद (सम्पादक श्यामसुन्दर दास)  
– तुलसीदास – रामचरितमानस (बालकाण्ड)  
– सूरदास – भ्रमरगीतसार (प्रथम 20 पद – रामचन्द्र शुक्ल)  
– मीराबाई – मीरां पदावली (प्रथम 20 पद – परशुराम चतुर्वेदी)

- बिहारी रत्नाकर – (प्रथम 20 दोहे)
- सूर्यमल्ल मिश्रण – वीर सतसई (प्रथम 20 दोहे)
- रामधारी सिंह दिनकर – कुरुक्षेत्र (प्रथम सर्ग)
- जयशंकर प्रसाद – कामायनी (आनन्द सर्ग)
- अज्ञेय – असाध्य वीणा ('आँगन के पार द्वार' से)
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – (चिन्तामणि – भाग-1 केवल उत्साह, श्रद्धा, भक्ति, लोभ और प्रीति)
- मोहन राकेश – लहरों के राजहंस
- कहानियाँ – 'उसने कहा था' चन्द्रधर शर्मा गुलेरी  
'जहाँ लक्ष्मी कैद है' राजेन्द्र यादव  
'एक और जिन्दगी' मोहन राकेश  
'परिन्दे' निर्मल वर्मा

Part - (iii)

अंक – 40

**हिन्दी विषय शिक्षण विधियाँ –**

- |     |    |                    |    |                                |
|-----|----|--------------------|----|--------------------------------|
| (अ) | 1  | अनुकरणात्मक विधि   | 2. | इकाई विधि                      |
|     | 3  | प्रत्यक्ष विधि     | 4  | व्याकरण – अनुवाद विधि          |
|     | 5  | द्विभाषी पद्धति    | 6  | सैनिक विधि                     |
|     | 7  | ध्वन्यात्मक विधि   | 8  | दूरस्थ शिक्षण                  |
|     | 9  | वाचन-विधि          | 10 | पर्यवेक्षित अध्ययन विधि        |
|     | 11 | आगमन-निगमन विधि    | 12 | अभिक्रमित अनुदेशन विधि         |
|     | 13 | रसास्वादन विधि     | 14 | सूत्र विधि                     |
|     | 15 | भाषा – संसर्ग विधि | 16 | भाषा शिक्षण यंत्र – उपकरण विधि |
|     | 17 | साहचर्य विधि       | 18 | व्याख्यान – विधि               |
|     | 19 | प्रदर्शन विधि      | 20 | श्रुतलेखन – अभ्यास विधि        |
|     | 21 | दल-शिक्षण विधि     | 22 | भाषा – प्रयोगशाला विधि         |
|     | 23 | व्यतिरेकी विधि     | 24 | हरबर्तीय विधि                  |
|     | 25 | समवाय विधि         |    |                                |

- (आ) – भाषा पाठ योजना का प्रारूप व उसके पदों का ज्ञान ।  
 – सूक्ष्म शिक्षण की अवधारणा का ज्ञान ।  
 – प्रमुख शिक्षण कौशल – प्रस्तावना कौशल, प्रश्न सहजता कौशल, खोजपूर्ण प्रश्न कौशल, प्रदर्शन कौशल, व्याख्या कौशल, प्रबलन कौशल, श्यामपट्ट कौशल का सामान्य परिचय ।

\* \* \* \* \*

For the competitive examination for the post of senior teacher :-

- |       |  |           |
|-------|--|-----------|
| 1     | The question paper will carry maximum 300 marks.   |           |
| 2     | Duration of question paper will be <b>Two Hours Thirty Minutes</b> .                         |           |
| 3     | The question paper will carry 150 questions of multiple choices.                             |           |
| 4     | Paper shall include following subjects carrying the number of marks as shown against them :- |           |
| (i)   | Knowledge of Secondary and Sr. Secondary Standard about relevant subject matter.             | 180 Marks |
| (ii)  | Knowledge of Graduation Standard about relevant subject matter.                              | 80 Marks  |
| (iii) | Teaching Methods of relevant subject.  | 40 Marks  |
|       | Total  | 300 Marks |
| 5     | All questions carry equal marks.   |           |
| 6     | There will be <b><u>Negative Marking</u></b> .   |           |

\* \* \* \* \*